Carpenter's monthly newspaper

www.carpentersnews.com

कारपेंटर्स न्यूज़

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2025-27
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | अगस्त 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 09 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

डोरसेट महामिलन: हुनर के साथ तकनीक की नई सीख .... पेज - 2

डोरसेट महामिलन: हुनर के साथ तकनीक की नई सीख

कारीगरों के हुनर को नई तकनीक का साथ, डोरसेट महामिलन में सीखने और संवाद का अवसर

carpentersnews.com

हैदराबाद। कारीगरों के हुनर को नई तकनीक और आधुनिक समाधानों से जोड़ने की दिशा में डोरसेट ने कापरा कारपेंटर्स एसोसिएशन, सिकंदराबाद के सहयोग से हैदराबाद में भव्य कारपेंटर महामिलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कारपेंटरों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रशिक्षण, संवाद, उत्पादों की जानकारी और सम्मान से सजे इस आयोजन का उद्देश्य कारपेंटर समुदाय के साथ कंपनी के जुड़ाव को मजबूत करने के साथ उन्हें बदलती जरूरतों के अनुरूप नई तकनीकों और उत्पादों से परिचित कराना रहा।

डोरसेट महामिलन के दौरान डोरसेट की टीम ने कारपेंटरों के साथ सीधे संवाद किया और कंपनी की विस्तृत उत्पाद श्रृंखला की जानकारी साझा की। इसमें डोर हार्डवेयर, मैकेनिकल एवं डिजिटल लॉकिंग सॉल्यूशंस, फर्नीचर फिटिंग्स और किचन हार्डवेयर सहित विभिन्न उत्पाद शामिल रहे। कारपेंटरों को बताया गया कि आधुनिक निर्माण और इंटीरियर के क्षेत्र में बदलती जरूरतों के साथ किस तरह नए हार्डवेयर और लॉकिंग समाधान काम को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और बेहतर बना सकते हैं।

कार्यक्रम में डोरसेट मित्रों लॉयल्टी प्रोग्राम भी चर्चा का प्रमुख विषय रहा। डोरसेट टीम ने कारपेंटरों को इस लॉयल्टी प्रोग्राम की जानकारी देते हुए कंपनी के साथ उनके जुड़ाव को और मजबूत करने के अवसरों के बारे में बताया। इससे कारपेंटरों को कंपनी के उत्पादों के साथ अपने व्यावसायिक संबंधों को आगे बढ़ाने और उपलब्ध लाभों का बेहतर उपयोग करने की जानकारी मिली।

प्रोडक्ट ट्रेनिंग सेशन रहा आकर्षण

महामिलन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा प्रोडक्ट ट्रेनिंग सेशन रहा। इसमें कारपेंटरों को विभिन्न उत्पादों के फीचर्स, उनकी कार्यप्रणाली और सही उपयोग की व्यावहारिक जानकारी दी गई। केवल उत्पादों का परिचय देने के बजाय उनके इंस्टॉलेशन और उपयोग से जुड़ी तकनीकी बारीकियों को भी समझाया गया। इंटरैक्टिव ट्रेनिंग के दौरान कारपेंटरों ने अपने अनुभवों और रोजमर्रा के काम में आने वाली चुनौतियों से जुड़े सवाल डोरसेट टीम के सामने रखे। टीम के विशेषज्ञों ने उनके सवालों का समाधान करते हुए उत्पादों के सही इस्तेमाल और इंस्टॉलेशन से जुड़ी जानकारी साझा की। इस संवादात्मक प्रक्रिया से कारपेंटरों को अपनी प्रोडक्ट नॉलेज और तकनीकी समझ को बेहतर बनाने का अवसर मिला।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले कारपेंटरों का सम्मान

कार्यक्रम में कारीगरों के योगदान और मेहनत को भी विशेष महत्व दिया गया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले कारपेंटरों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। उनके कौशल, मेहात और डोरसेट के साथ निरंतर जुड़ाव को पहचान देते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया गया। डोरसेट की ओर से आयोजित यह सम्मान समारोह इस बात को रेखांकित करता है कि कारीगर केवल उत्पादों के उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि उनके काम को अंतिम रूप देने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके अनुभव और तकनीकी दक्षता का सीधा प्रभाव उत्पाद की गुणवत्ता और ग्राहक के अनुभव पर पड़ता है।

उपहार और भोजन के साथ हुआ समापन

महामिलन के अंत में कारपेंटरों के लिए उपहार वितरण किया गया। इसके बाद सामूहिक भोजन का आयोजन हुआ। प्रशिक्षण और तकनीकी जानकारी के साथ सम्मान एवं आत्मीयता का माहौल होने के कारण यह आयोजन कारपेंटरों के लिए यादगार अनुभव बन गया। डोरसेट के लिए ऐसे महामिलन केवल उत्पादों के प्रचार या जानकारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कारीगर समुदाय के साथ लंबे समय के विश्वास और साझेदारी को मजबूत करने का माध्यम हैं।

कारपेंटर अपने हुनर से घरों, कार्यालयों और व्यावसायिक स्थानों को बेहतर स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उन्हें नई तकनीक, आधुनिक उत्पादों और बदलते बाजार की जरूरतों से जोड़ना उनके कौशल को और मजबूत करने में सहायक हो सकता है। हैदराबाद में आयोजित यह कारपेंटर महामिलन प्रशिक्षण, संवाद और सम्मान के माध्यम से डोरसेट और कारीगर समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया।

कारपेंटर्स न्यूज़

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

कारपेंटर्स न्यूज में विज्ञापन या प्रतियों के लिए 9320566633 पर संपर्क करें।
Email: carpentersnews@gmail.com

मुंबई	अगस्त 2026	वर्ष : 21	अंक : 09	पृष्ठ : 16	मूल्य : 2 रुपए

सभी सम्मानित पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को स्वतंत्रता दिवस व रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रेम, भाईचारे और देशभक्ति से सराबोर इन पावन पर्वों पर आप सभी के सुख-समृद्धि की मंगलकामना।

\- संपादक

रानी दिद्दा की विरासत की तलाश में विश्वकर्मा सभा की ऐतिहासिक यात्रा

पूंछ के दुर्गम पहाड़ों में स्थित पैतृक किले के अवशेषों का किया अध्ययन

जम्मू। कश्मीर की प्रसिद्ध शासक रानी दिद्दा की ऐतिहासिक विरासत को समझने और उससे जुड़े स्थलों के अध्ययन के उद्देश्य से प्रदेश विश्वकर्मा सभा के प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के जिला पूंछ स्थित लोरेन गांव का दौरा किया। प्रदेशाध्यक्ष राज कुमार चलोत्रा के नेतृत्व में निकली टीम ने उस स्थान का निरीक्षण किया, जिसे स्थानीय परंपराओं और प्रतिनिधिमंडल के अनुसार रानी दिद्दा के पूर्वजों के किले का स्थल माना जाता है। इस दौरान ऐतिहासिक तथ्यों के दस्तावेजीकरण और आगे शोध की दिशा में भी चर्चा की गई।

जम्मू से लगभग 255 किलोमीटर दूर पीर पंजाल पर्वतमाला के दुर्गम क्षेत्र में स्थित लोरेन गांव तक पहुंचने के लिए टीम ने कठिन पर्वतीय मार्ग और लगातार वर्षा जैसी चुनौतियों का सामना किया। प्रतिकूल मौसम के कारण विस्तृत अध्ययन संभव नहीं हो सका, लेकिन प्रतिनिधिमंडल ने नवंबर में पुनः शोध यात्रा आयोजित कर ऐतिहासिक साक्ष्यों का विस्तृत अध्ययन करने का निर्णय लिया।

रानी दिद्दा 10वीं शताब्दी की कश्मीर की प्रमुख शासकों में गिनी जाती हैं। उन्होंने लगभग 958 ईस्वी से 1003 ईस्वी तक प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से शासन किया। इतिहासकार उन्हें एक कुशल प्रशासक, दूरदर्शी रणनीतिकार और सशक्त राजनीतिक नेतृत्व के लिए याद करते हैं। उनके शासन और जीवन का उल्लेख प्राचीन ऐतिहासिक ग्रंथ राजतरंगिणी सहित अनेक स्रोतों में मिलता है।

दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने भांवला, पतराड़ा, बलशामा और सुरनकोट सहित विभिन्न स्थानों पर सामाजिक बैठकों का आयोजन किया। भांवला में प्रदेशाध्यक्ष राज कुमार चलोत्रा का स्वागत किया गया तथा केवल कृष्ण पुरी को स्थानीय इकाई का अध्यक्ष मनोनीत कर संगठन का पुनर्गठन किया गया। विभिन्न बैठकों में समाज के लोगों को श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी द्वारा प्रकाशित पत्रिका वितरित की गई तथा विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री भी प्रदान की गई।

सुरनकोट में आयोजित बैठक में लोहार समाज तथा अन्य ओबीसी समुदायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संघ के मुख्य सचिव बलवंत कटारिया ने केंद्रीय ओबीसी प्रमाण पत्र से संबंधित नियमों और आरक्षण के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि जागरूकता के अभाव में अनेक पात्र युवाओं को लंबे समय तक आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका। उन्होंने समाज से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और संगठित प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी स्वर्गीय मास्टर एच.डी. बेताब की धर्मपत्नी को समाज सेवा के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही रानी दिद्दा पर स्वर्गीय बेताब द्वारा लिखित पुस्तक की प्रति उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया गया, ताकि आगामी शोध कार्य को और अधिक प्रमाणिक बनाया जा सके।

लोरेन पहुंचने पर स्थानीय समाजसेवी हाजी मोहम्मद अब्दुल्ला ने कहा कि लोहार वंश के इतिहास की जानकारी समाज के अधिकांश लोगों तक नहीं पहुंच सकी है। उन्होंने इस ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण और नई पीढ़ी तक उसके प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया। प्रदेश विश्वकर्मा सभा ने बताया कि रानी दिद्दा और लोहार वंश से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों का व्यवस्थित संकलन कर विस्तृत शोध दस्तावेज तैयार करने की योजना है। इसके लिए इतिहासकारों, शोधकर्ताओं और स्थानीय समुदाय के सहयोग से प्रमाणिक स्रोतों के आधार पर अध्ययन किया जाएगा।

इस ऐतिहासिक यात्रा में मास्टर प्रीतम वर्मा, ओम कटारिया, जोगिंदर अंगोत्रा, सुमन लता, वीना चलोत्रा, हाजी मोहम्मद अब्दुल्ला, मोहम्मद शफी, मोहम्मद शरीफ कुरैशी तथा हाजी मोहम्मद बशीर सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

विश्वकर्मा लाइब्रेरी टीम ने किया चखड़ गांव का दौरा

जम्मू। विश्वकर्मा लाइब्रेरी रिसर्च सेंटर, न्यू प्लॉट जम्मू की एक टीम ने जम्मू जिले के चाखड़ गांव में जागरूकता शिविर का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य लोगों को अच्छी शिक्षा के प्रति जागरूक करना और उन्हें उच्च स्तर तक पहुंचने में मदद करना था। लगभग 20 परिवारों से संपर्क किया गया। यह गांव जम्मू शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। इस गांव में लगभग 25 विश्वकर्मा परिवार रहते हैं।

लाइब्रेरी टीम ने वंचित छात्रों को नोटबुक, पत्रिकाएं और 2026 के कैलेंडर वितरित किए। शिविर में प्रेरक भाषण भी दिए गए। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए शिक्षाविद बलवंत कटारिया ने कहा कि लाइब्रेरी का लक्ष्य पंक्ति में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी ग्रामीण जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध है।

छात्रों और अभिभावकों से बातचीत करते हुए, उन्होंने उन्हें आईटीआई और पॉलिटेक्निक जैसे तकनीकी पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया ताकि वे जल्द से जल्द आय का स्रोत प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी ने जम्मू प्रांत के विभिन्न हिस्सों में 26000 पत्रिकाएँ, 7000 नोटबुक और 6000 कैलेंडर वितरित किए हैं और यह अभियान अभी भी जारी है। कटारिया ने कहा कि लाइब्रेरी छात्रों के कल्याण के लिए उनके घर-घर जाकर सेवा प्रदान करने के मिशन पर काम कर रही है। आर्थिक समस्या या अच्छी शिक्षा में बाधा डालने वाली अन्य समस्याओं के मामले में कोई भी छात्र पुस्तकालय टीम से संपर्क कर सकता है। उन्होंने जागरूक किया कि केवल शिक्षा ही शोषण, गरीबी और पिछड़ेपन से मुक्ति दिला सकती है। इस अवसर पर पुस्तकालय के सचिव ओम कटारिया ने जागरूकता देते हुए कहा कि हमें अंधविश्वास में नहीं पड़ना चाहिए और नशे से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल शिक्षा ही हमें सुखी और समृद्ध नागरिक बना सकती है। प्रीतम लाल वर्मा और जोगिंदर अंगोत्रा ने भी ग्रामीण छात्रों की समस्याओं को सुना। इस अवसर पर ज्ञानचंद पंच को उनके आजीवन सामाजिक कार्यों के लिए स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। इसके अलावा अभिकाश दिसगोत्रा को 11वीं कक्षा में 80% अंक प्राप्त करने पर, अरुण वर्मा को 12वीं कक्षा में 75% अंक प्राप्त करने पर, अंश वर्मा को 10वीं कक्षा में 71% अंक प्राप्त करने पर और कोमल वर्मा को 10वीं कक्षा में 71% अंक प्राप्त करने पर ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथि दल से बातचीत करने वालों में सुप्रिया वर्मा, आरुष वर्मा, विकास वर्मा, स्मृति वर्मा, सुमित वर्मा और रीना देवी शामिल थे। आयोजन दल में सुनील वर्मा, सोम राज, ओम प्रकाश, सुरिंदर कुमार, जीवन वर्मा और अमित वर्मा शामिल थे।

श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी की टीम ने किया बिशनाह तहसील का दौरा

जम्मू। जनसंपर्क अभियान के तहत श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी, न्यू प्लॉट, जम्मू के पदाधिकारियों जोगिंदर अंगोत्रा और बलवंत कटारिया ने जम्मू जिले की बिशनाह तहसील का दौरा कर समाज के लोगों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर बैठकें आयोजित कर समाज हित से जुड़े विषयों पर चर्चा की तथा विश्वकर्मा रिपोर्टर पत्रिका का वितरण किया। दौरे की पहली बैठक कौशल कंगोत्रा की दुकान पर व दूसरी बैठक तारा चंद वर्मा की कार्यशाला में आयोजित हुई, जिसमें तरसेम लाल वर्मा सहित स्थानीय समाज के कई लोग उपस्थित रहे। बैठकों में शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और संगठन को मजबूत बनाने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

इस दौरे का आमंत्रण स्थानीय युवा मुकेश कुमार वर्मा ने दिया था। उन्होंने बताया कि वे सोशल मीडिया पर श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी की गतिविधियों से प्रभावित होकर लंबे समय से चाहते थे कि संस्था उनके गांव कन्हाल भी पहुंचे। उन्होंने गांव के लगभग 30 विश्वकर्मा परिवारों तक विश्वकर्मा रिपोर्टर पत्रिका पहुंचाने का दायित्व भी स्वीकार किया। इस अवसर पर मुनीश वर्मा, विकास कंगोत्रा, अभिषेक वर्मा, कौशल वर्मा तथा तरसेम लाल वर्मा सहित कई स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

दौरे से लौटते समय प्रतिनिधिमंडल ने मीरा साहिब में 86 वर्षीय वरिष्ठ समाजसेवी के.डी. दलमोत्रा से शिष्टाचार भेंट की। उन्हें समाज सेवा में उनके आजीवन योगदान के लिए स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके जीवन-संघर्ष और सामाजिक योगदान को आगामी अंक में प्रकाशित करने के उद्देश्य से उनका जीवन-वृत्त भी संकलित किया गया। इस अवसर पर बलवंत कटारिया ने कहा कि समाज के वरिष्ठ लोगों के अनुभव और संघर्ष का दस्तावेजीकरण आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने पूर्वजों के योगदान से परिचित हो सकें और समाज का इतिहास संरक्षित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मीरा साहिब निवासी रमेश कटारिया को डीएसपी से एसपी पद पर पदोन्नति होने पर स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

गुरु की सबसे बड़ी सेवा उनके बताए मार्ग पर चलना है : श्री हरि चैतन्य महाप्रभु

गुरु पूर्णिमा पर श्री हरि कृपा आश्रम में विराट धर्म सम्मेलन

भरतपुर। कामवन तीर्थराज विमल कुंड स्थित श्री हरि कृपा आश्रम के संस्थापक एवं श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर विश्वविख्यात संत स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित विराट धर्म सम्मेलन में देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं को संबोधित किया। अपने दिव्य एवं ओजस्वी प्रवचन में उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य का नाता कोई साधारण नाता नहीं, बल्कि परम आत्मिक, परम आध्यात्मिक एवं परम पवित्र नाता है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से आज यही उच्च नाता अंधे और बहरे के नाते जैसा दिखाई देने लगा है। वह गुरु अंधा है, जो शिष्य की कमियां नहीं देखता और यदि देखता भी है तो तुच्छ स्वार्थों के कारण उन्हें बताता नहीं। वहीं वह शिष्य बहरा है, जो गुरु के उपदेशों को सुनता नहीं और यदि सुनता भी है तो उन्हें समझ कर अपने जीवन में उतारता नहीं।

श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने कहा कि गुरु का स्थान अत्यंत उच्च है। यह कहा जाए कि गुरु ही ब्रह्मा हैं, जो सद्गुणों को उत्पन्न करते हैं; गुरु ही विष्णु हैं, जो उपदेशों के माध्यम से उन सद्गुणों का पालन कराते हैं और गुरु ही शंकर हैं, जो दुर्गुणों एवं विकारों का संहार करते हैं, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। सद्गुरु परम ब्रह्म परमात्मा का पृथ्वी पर देहधारी स्वरूप हैं। यहां तक कि ब्रह्मा, विष्णु, शंकर आदि भी गुरु के बिना भवसागर से पार नहीं हो सकते, तो यह भी अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इतना उच्च पद रखने वाला गुरु यदि शिष्य को उसकी वास्तविकता से अवगत नहीं कराता, उसके संदेह और अज्ञान का निवारण नहीं करता तथा कथनी और करनी के अंतर को मिटाकर सही मार्ग नहीं दिखाता और केवल उसके धन का हरण करता है, तो ऐसा गुरु अपने शिष्यों को नरक की यातनाओं से क्या बचाएगा, वह तो स्वयं ही नरकगामी होगा।

महाराज जी ने कहा कि जिस सद्गुरु की सेवा करके श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि अवतारों ने भी गुरु की महिमा को प्रतिष्ठित किया, उस गुरु की महिमा का पूर्ण वर्णन करने की सामर्थ्य हमारी नहीं हो सकती। लेकिन इतना अवश्य कहा जा सकता है कि शिष्य को गुरु को केवल मानव न समझ कर मानव रूप में साक्षात परमात्मा का स्वरूप समझना चाहिए, लेकिन गुरु को स्वयं को भगवान नहीं समझ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिष्य अपना तन, मन और धन सद्गुरु के चरणों में अर्पित कर दे, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि गुरु शिष्य का सब कुछ लेकर चलता बने। जो व्यक्ति अपने शिष्य के धन-संपत्ति पर ही नजर रखता है, वह गुरु कहलाने योग्य भी नहीं हो सकता। दुर्भाग्यवश आज तथाकथित गुरुओं की बाढ़ सी आ गई है। महाराज जी ने कहा कि हम सभी को सद्गुरु द्वारा बताए मार्ग पर चलना चाहिए। हम गुरुओं की पूजा करते हैं, लेकिन गुरु की सबसे बड़ी और सच्ची सेवा वही शिष्य करता है, जो उनके बताए मार्ग पर चलता है। उन्होंने कहा कि हम अधिकांश संतों, गुरुओं, अवतारों और ग्रंथों को मानते हैं, लेकिन उनकी मानते नहीं हैं। केवल एक मात्रा के अंतर से हम सारे लाभ से वंचित रह जाते हैं। हमें केवल उन्हें नहीं, बल्कि उनकी भी माननी चाहिए।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि संत, गुरु या प्रभु का मिलना सौभाग्य की बात है, लेकिन उनकी आज्ञा मानना हमें परम सौभाग्यशाली बना देता है। अच्छे डॉक्टर का मिलना किसी रोगी के लिए सौभाग्य की बात है, लेकिन यदि वह रोग से मुक्ति और पूर्ण स्वास्थ्य चाहता है तो डॉक्टर द्वारा दी गई दवा का सेवन करना होगा और उसके बताए परहेज का पालन भी करना होगा।

इस अवसर पर महाराज जी ने वैदिक मंत्रों द्वारा भावविभोर होकर गुरु स्तुति की तथा गुरु भक्ति के गीतों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान हजारों श्रद्धालुओं की आंखों से भावनाओं के आंसू छलकते दिखाई दिए। महाराज श्री के दिव्य प्रवचन को सुनने के लिए चंडीगढ़, अंबाला, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अखंड मानस पाठ, हवन-यज्ञ, भजन-कीर्तन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। टेक चंद शर्मा, नानक शर्मा, पप्पू लहरी, गोविंद सैनी सहित अन्य कलाकारों ने भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के वेणु कला केंद्र के कलाकारों ने ओडिसी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं के साथ भाजपा के मुख्य प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन भी श्री महाराज जी के दर्शन कर आशीर्वाद लेने पहुंचे। उन्होंने महाराज जी के साथ वृक्षारोपण भी किया।

नशामुक्त भारत के संकल्प से जुड़े BAPS के 30 हजार से अधिक युवा

नई दिल्ली। देश के युवाओं को नशे से दूर रखने और उन्हें सकारात्मक सामाजिक बदलाव का नेतृत्वकर्ता बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा संकल्प अभियान में बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के 30 हजार से अधिक युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया। देशभर में बीएपीएस के 60 से अधिक केंद्रों पर आयोजित विशेष सभाओं में युवाओं ने ऑनलाइन संकल्प लेकर नशामुक्त भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से शुरू किए गए इस राष्ट्रव्यापी अभियान में स्वयंसेवकों, एनएसएस स्वयंसेवकों, स्कूल-कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों तथा 125 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं सहित देशभर के हजारों युवाओं ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। बीएपीएस की ओर से अभियान के तहत सभी केंद्रों पर युवाओं के लिए विशेष सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के साथ स्वस्थ एवं संस्कार पूर्ण जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। युवाओं ने नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत का ऑनलाइन संकल्प लेकर अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का युवाओं ने लिया संकल्प

इस अवसर पर बीएपीएस के अंतरराष्ट्रीय संयोजक संत पूज्य ईश्वर चरण स्वामी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि भगवान स्वामीनारायण ने अपने भक्तों को नशे से दूर रहने का आदेश दिया है। नशे से मुक्त जीवन जीने वाले ही सच्चे सत्संगी बनते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, इसलिए सभी युवाओं को उत्साह और समर्पण के साथ इस पहल से जुड़ना चाहिए।

दशकों से नशा मुक्ति के लिए अभियान

बीएपीएस के अनुसार, भगवान स्वामीनारायण के समय से ही उनके 3,000 से अधिक संतों ने गांव-गांव जाकर लोगों को नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। प्रमुख स्वामी महाराज ने भी नशामुक्त जीवन और जनकल्याण के इस अभियान को आगे बढ़ाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 50 लाख से अधिक लोगों को नशा छोड़कर पवित्र जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। इनमें किसान, आदिवासी समुदाय, उद्योगपति और युवा सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल थे।

संस्था के अनुसार, पिछले कई दशकों से बीएपीएस की ओर से नशा मुक्ति के लिए विभिन्न स्तरों पर जनजागरण अभियान चलाए जा रहे हैं।

•1997 में गुजरात के विभिन्न गांवों और शहरों में नशा मुक्ति शिविर आयोजित किए गए। इसके अलावा कई स्थानों पर चलित नशा मुक्ति प्रदर्शनियों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया और अनेक लोगों ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

• 2000 में संस्था के बाल कार्यक्रम के माध्यम से 9 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों ने 2,500 समूह बनाए। इन समूहों ने गुजरात, मुंबई, कोलकाता सहित विभिन्न राज्यों में घर-घर जाकर लोगों से नशामुक्त और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। संस्था के अनुसार, इस अभियान के दौरान लाखों लोगों ने गुटखा, नशीले पदार्थ, धूम्रपान और शराब जैसी आदतों को छोड़ने का लिखित संकल्प लिया।

• 2007 में नशा मुक्ति अभियान के तहत 23 हजार बच्चों और युवाओं ने देशभर में 21 लाख लोगों तक पहुंच बनाई। इनमें से 6.30 लाख लोगों ने नशे और ड्रग्स से दूर रहने का संकल्प लिया। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम ने राष्ट्रपति भवन में संस्था के बच्चों और युवा कार्यकताओं से मुलाकात कर उनके कार्यों की सराहना की थी।

• 2022 में भारत के स्वतंत्रता दिवस और प्रमुख स्वामी महाराज की जन्मशताब्दी के अवसर पर देशभर में बच्चों और युवाओं ने नशा मुक्ति अभियान में हिस्सा लिया। संस्था के अनुसार, इस अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं पवित्र जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

परम पूज्य महंत स्वामी महाराज के मार्गदर्शन में भी बीएपीएस की ओर से नशामुक्त जीवन के लिए जनजागरण जारी है। संस्था का कहना है कि उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से अनेक लोगों ने नशामुक्त जीवन अपनाकर अपने तथा समाज के बेहतर भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाया है।

NIKHIL
ADHESIVES LTD.
Mahacol®
SINCE 1971
रिश्ता ऐसा, जो हमेशा मज़बूत जुड़ा रहे।
रक्षाबंधन
की हार्दिक शुभकामनाए
NAIL FREE
SUPER HEATFIT
MICA SPECIAL
PV STICK
MAHAQUICK
N3 ULTRA
MP
German Technology

श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने किया 'कारपेंटर्स न्यूज' के 21वें वर्ष के विशेषांक का विमोचन

कारीगरों और फर्नीचर उद्योग की आवाज को मजबूती से उठाता रहे 'कारपेंटर्स न्यूज'

भरतपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कामवन स्थित श्री हरि कृपा आश्रम में आयोजित विराट धर्म सम्मेलन के दौरान श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर एवं विश्वविख्यात संत स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने फर्नीचर उद्योग से जुड़े मासिक समाचार पत्र 'कारपेंटर्स न्यूज' के 21वें वर्ष के विशेषांक का विमोचन किया।

इस अवसर पर महाराज श्री ने 'कारपेंटर्स न्यूज' का अवलोकन करते हुए फर्नीचर एवं कारपेंटरी उद्योग से जुड़े कारीगरों, व्यवसायियों और उद्यमियों की गतिविधियों को समाचार पत्र के माध्यम से प्रमुखता से सामने लाने के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि कारीगर समाज के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके हुनर, परिश्रम और योगदान को सम्मान दिलाना तथा उनकी समस्याओं और उपलब्धियों को समाज एवं सरकार तक पहुंचाना सराहनीय कार्य है।

श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने कहा कि 'कारपेंटर्स न्यूज' ने दो दशकों से अधिक समय से फर्नीचर उद्योग और उससे जुड़े कारीगरों की आवाज को मंच प्रदान किया है। समाचार पत्र अपने इस प्रयास को निरंतर आगे बढ़ाए और कारीगरों के हित, सम्मान एवं अधिकारों से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाता रहे, यही मेरी शुभकामना है।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसी भी समाज या व्यवसाय की प्रगति के लिए सही जानकारी और संवाद बेहद आवश्यक है। मीडिया यदि सकारात्मक सोच के साथ समाज के मेहनतकश वर्ग की उपलब्धियों को सामने लाए और उनकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाए, तो वह समाज सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाता है। महाराज श्री ने 'कारपेंटर्स न्यूज' के 21वें वर्ष में प्रवेश करने पर पत्र के संपादक, प्रकाशन टीम एवं समस्त सहयोगियों को शुभकामनाएं देते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि समाचार पत्र निरंतर विकास करते हुए देशभर के कारीगरों एवं फर्नीचर उद्योग से जुड़े लोगों को एकजुट करने और उन्हें नई दिशा देने का माध्यम बने। इस अवसर पर 'कारपेंटर्स न्यूज' के विशेषांक के विमोचन को उपस्थित श्रद्धालुओं एवं कारीगर समाज से जुड़े लोगों ने गौरवपूर्ण क्षण बताया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

विश्वकर्मा योजना का दायरा बढ़ा, अब 25 ट्रेड के कारीगर होंगे लाभान्वित

लखनऊ। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) नीति के तहत विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का दायरा बढ़ा दिया गया है। पहले इस योजना के अंतर्गत 11 ट्रेडों के कारीगरों को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता दी जाती थी, लेकिन अब 25 ट्रेडों के कारीगर इसका लाभ उठा सकेंगे।

कैबिनेट बैठक में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना-2 के तहत 14 नए ट्रेडों को शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस योजना का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय दस्तकारों तथा पारंपरिक कारीगरों–जैसे बढ़ई, दर्जी, कुम्हार, लोहार, टोकरी बुनकर, सुनार, नाई, हलवाई, मोची, राजमिस्त्री और धोबी–की आजीविका को मजबूत करना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। योजना के दूसरे चरण में मूर्तिकार, मालाकार, दूधवाला, भरभूंजा, मछुआरा, मोबाइल मरम्मत, ऑटोमोबाइल मरम्मत, इलेक्ट्रॉनिक एवं विद्युत उपकरण मरम्मत, प्लंबर, कंप्यूटर मरम्मत, सोलर इंस्टॉलेशन, डिजिटल फोटोग्राफी तथा सौंदर्य एवं वेलनेस जैसे 14 नए ट्रेड शामिल किए गए हैं। इन नए ट्रेडों के जुड़ने के बाद अब कुल 25 ट्रेडों में कार्यरत कारीगरों को प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और वित्तीय सहायता जैसी सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

छोटे बदलावों से घर का हर कोना बनेगा खास

मुंबई। घर को खूबसूरत बनाने के लिए हमेशा बड़े बदलाव या महंगे सामान की जरूरत नहीं होती। कई बार छोटे-छोटे सजावटी बदलाव ही पूरे घर के लुक को बदल देते हैं। खाली कोना हो, साधारण शेल्फ, डाइनिंग टेबल या दीवार–थोड़ी रचनात्मकता और सही सजावटी सामान के इस्तेमाल से इन्हें घर की खूबसूरती का खास हिस्सा बनाया जा सकता है। इन दिनों होम डेकोर में सादगी, उपयोगिता और स्टाइल का संतुलन खासा पसंद किया जा रहा है।

शेल्फ अब सिर्फ किताबें या सामान रखने की जगह नहीं रह गई है। किताबों के साथ सिरेमिक फूलदान, मोमबत्तियां, छोटे पौधे, तस्वीरें और कलात्मक शोपीस सजाकर इसे आकर्षक बनाया जा सकता है। अलग-अलग ऊंचाई और आकार की वस्तुओं का संतुलित संयोजन शेल्फ को ज्यादा खूबसूरत बनाता है। बहुत अधिक सामान भरने के बजाय कुछ चुनिंदा चीजें रखना इसे आधुनिक लुक देता है।

डाइनिंग टेबल को भी घर की सजावट का अहम हिस्सा बनाया जा सकता है। मौसम, त्योहार या किसी खास अवसर के अनुसार टेबल रनर, खूबसूरत क्रॉकरी, फूलदान, मोमबत्तियां और छोटे सजावटी सामान का इस्तेमाल करें। बहुत ज्यादा सजावट के बजाय रंगों और वस्तुओं का संतुलन टेबल को आकर्षक और सुरुचिपूर्ण बनाता है। बेडरूम और लिविंग रूम में फैब्रिक से बने सॉफ्ट वॉल पैनल इन दिनों पसंद किए जा रहे हैं। ये दीवारों को प्रीमियम और आरामदायक लुक देते हैं। साथ ही, फैब्रिक की परतें कमरे में आवाज के प्रभाव को कुछ हद तक कम करने में मदद कर सकती हैं।

कारपेंटर की बेटी अब चांद की ओर बढ़ाएगी कदम

108 देशों की 12 हजार छात्राओं में से भारत की 20 बेटियों का चयन, 14 वर्षीय जेसी बनीं आंध्र प्रदेश की अकेली प्रतिनिधि

अमरावती। सपने बड़े हों तो साधनों की कमी भी रास्ता नहीं रोक सकती। आंध्र प्रदेश के राजमहेंद्रवरम की महज 14 वर्षीय कंडुला जेसी ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति से यह साबित कर दिखाया है। एक कारपेंटर की बेटी जेसी का चयन दुनिया के पहले ऑल-गर्ल्स लूनर क्यूबसैट मिशन मिशन शक्तिसैट के लिए हुआ है। अब वह देश की उन चुनिंदा छात्राओं में शामिल हैं, जिन्हें चंद्रमा से जुड़े एक महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशन के लिए सैटेलाइट तैयार करने का अवसर मिलेगा। इस ऐतिहासिक मिशन के लिए दुनिया के 108 देशों की करीब 12 हजार छात्राओं ने आवेदन किया था। कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद भारत की सिर्फ 20 छात्राओं का चयन किया गया। इनमें आंध्र प्रदेश से जेसी अकेली चयनित छात्रा हैं। उनकी इस उपलब्धि ने उनके परिवार के साथ-साथ पूरे आंध्र प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

आर्थिक तंगी ने बदला स्कूल, हौसले ने बदल दी जिंदगी

जेसी के लिए यह सफर आसान नहीं था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके माता-पिता को उन्हें निजी स्कूल से निकालकर सरकारी स्कूल में दाखिला दिलाना पड़ा। इसी सरकारी स्कूल में उन्हें मिशन शक्तिसैट के लिए आवेदन करने का अवसर मिला। जेसी ने इस अवसर को हाथ से नहीं जाने दिया और अपनी मेहनत से चयन प्रक्रिया में जगह बना ली। मिशन के प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षक के मार्गदर्शन में 21 मॉड्यूल में करीब 550 ऑनलाइन कक्षाएं पूरी कीं। उन्होंने सैटेलाइट सिस्टम, प्रोपल्शन, थर्मोडायनामिक्स और मिशन ऑपरेशन्स जैसे कठिन तकनीकी विषयों का अध्ययन किया।

अंग्रेजी भाषा में शुरूआती झिझक भी जेसी के सामने चुनौती बनी। लेकिन उन्होंने इसे भी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। शिक्षक के सहयोग और लगातार अभ्यास से उन्होंने अंग्रेजी में अपनी पकड़ मजबूत की और तकनीकी प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा किया।

अब सैटेलाइट बनाने की बारी

मिशन शक्तिसैट का आयोजन ग्लोबल स्पेस इनिशिएटिव स्पेस किड्ज इंडिया की ओर से किया जा रहा है। मिशन का अगला चरण 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में शुरू होगा। यहां जेसी देश और दुनिया की अन्य चयनित छात्राओं के साथ मिलकर लूनर क्यूबसैट के निर्माण से जुड़े तकनीकी कार्यों में हिस्सा लेंगी। इसके बाद सैटेलाइट को 11 अक्टूबर को श्रीहरिकोटा से लॉन्च किए जाने की योजना है। जेसी के लिए यह सिर्फ एक अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा बनने का अवसर नहीं, बल्कि उन तमाम बेटियों के लिए उम्मीद की किरण है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में कुछ बड़ा करने का सपना देखती हैं।

कारपेंटर की बेटी से अंतरिक्ष की उड़ान तक

जेसी की कहानी इस बात की मिसाल है कि प्रतिभा आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती। जिस परिवार में रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना चुनौती हो, वहां से निकलकर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में कदम रखना निश्चित रूप से असाधारण उपलब्धि है। जेसी की सफलता यह संदेश देती है कि अगर सपनों को मेहनत, मार्गदर्शन और अवसर का साथ मिल जाए, तो सरकारी स्कूल की बेटी भी चांद तक पहुंचने की राह बना सकती है।

HARRISON®
Glorious 75 Years
आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस एवं
रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएँ।
Power X By HARRISON
CUTTING WHEEL
PX2-SERIES
PXG-SERIES
PX1-SERIES
MAX SPEED 4400
Strong Net
EN12413
70 m/s
DEPRESSED CENTER GRINDING WHEEL
180MM
6.0mm
5"
125MM
GRIT: 80#
25Units
5" (125mm)
15,000RPM
PROFESSIONAL QUALITY
4"105mm
Extreme Speed
Extreme Sharp
Extreme Precision
कारपेन्टर सुविधा स्कीम
जीतो आकर्षक उपहार
टोल फ्री नंबर : 1800-572-5795 | ★★★★★ भरोसा सुरक्षा का ★★★★★
www.harrisonlocks.com | email : info@harrisonlocks.com
नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
95992 81937

~ घर घर हरीसन
अब हर घर में हरीसन ~

HARRISON | हरीसन

हरीसन कारपेंटर्स महासम्मेलन – हुनर का महोत्सव, सम्मान का उत्सव।

विजेता

हरीसन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ द्वारा आयोजित "हरीसन कारपेंटर्स महासम्मेलन" का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों दक्ष कारपेंटर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम कारीगरों के समर्पण, मेहनत और उत्कृष्टता को सम्मानित करने हेतु आयोजित किया गया था। आयोजन में हरीसन के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र, उपहार व विशेष सम्मान प्रदान किए। मंच पर डिज़ाइन innovation, आधुनिक उपकरणों के उपयोग और Quality work पर संवाद हुआ। साथ ही, कंपनी ने अपने आगामी उत्पादों की झलक भी प्रस्तुत की। यह महासम्मेलन हरीसन की उस भावना को दर्शाता है जिसमें वह अपने कारपेंटर्स को केवल भागीदार नहीं, बल्कि अपने परिवार का अहम हिस्सा मानता है। यह आयोजन हर वर्ष नई प्रेरणा लेकर आता है।

हुनर की पहचान
कारीगरों को सम्मान!

हरीसन प्रोडक्ट पॉइंट अर्जित करने का तरीका किया और भी आसान

मात्र क्यू आर कोड को स्कैन करने पर पाएं उपहार

हरीसन का नया QR स्कैनिंग फीचर – कारपेंटर्स के लिए आसान इनाम!

देश के भरोसेमंद ब्रांड हरीसन ने कारपेंटर्स के लिए QR स्कैनिंग फीचर लॉन्च किया है, जिससे उपहार जीतना अब और भी आसान हो गया है।

कारपेंटर्स को हरीसन प्रोडक्ट की पैकिंग में दिए गए QR कोड को स्कैन करना है, और उनके रजिस्टर्ड प्रोफाइल पर पॉइंट्स अपने आप जुड़ जाएंगे। अब प्रोडक्ट की कटिंग संभालने की जरूरत नहीं, बस स्कैन करें और इनाम पाएं।

यह पहल कारपेंटर्स की सहूलियत और प्रोत्साहन के लिए की गई है। हरीसन हमेशा अपने कारीगरों के साथ खड़ा है!

उपहार जीतने की प्रक्रिया

- स्टेप 1: मोबाइल मे हरीसन सुविधा एप्लीकेशन डाउनलोड करे, और अपनी ID बनाकर लॉगिन करे।
- स्टेप 2: प्रोडक्ट पैक के अंदर लगे QR CODE को सुविधा एप्लीकेशन मे स्कैन करे और MRP के बराबर पॉइंट इकट्ठा करे।
- स्टेप 3: दिये गये 6 उपहार के आधार पर अपने पॉइंट REDEEM करे, और उपहार जीते

Suvidha
iSoftCare Technology

प्ले स्टोर पर (HARRISON SUVIDHA APP) सर्च कर के हरीसन लोगो एप्लीकेशन अपने फ़ोन मे इनस्टॉल करे।

HARRISON PRODUCT SUVIDHA APP DOWNLOAD करें और आज ही जुड़ें!

काम करो, POINTS कमाओ !

शानदार गिफ्ट्स, अवॉर्ड्स और ढेरों इनाम

हर Purchase Register करो | Points Earn करो Exciting Rewards पाओ | Easy Redeem, बेहतरीन फायदे

हर प्रोडक्ट 100% भरोसेमंद | उस्ताद कारपेंटर की पहली पसंद

#harrison_carpentermeet

Find Us On : | Toll Free No. 1800-572-5795

Advt

जामुन की लकड़ी पर आज भी नाविकों का भरोसा कायम

वाराणसी। आधुनिक तकनीक और नई सामग्रियों के दौर में भले ही नाव बनाने के लिए लोहे और अन्य लकड़ियों का इस्तेमाल बढ़ गया हो, लेकिन पारंपरिक नाव निर्माण में आज भी जामुन की लकड़ी को सबसे भरोसेमंद माना जाता है। वाराणसी के नाव बनाने वाले कारीगरों का कहना है कि जामुन की लकड़ी से बनी नाव लंबे समय तक पानी में सुरक्षित रहती है और इसकी मजबूती के कारण नाविक पीढ़ियों से इस पर भरोसा करते आए हैं। पुराने समय में गंगा समेत देश की कई नदियों में चलने वाली अधिकांश नावें जामुन की लकड़ी से तैयार की जाती थीं। नाव बनाने वाले कारीगरों के अनुसार, इस लकड़ी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह लंबे समय तक पानी के संपर्क में रहने के बावजूद जल्दी खराब नहीं होती। इसमें नमी का असर कम होता है और कीड़े लगने की संभावना भी बहुत कम रहती है।

पानी को भी नुकसान नहीं पहुंचाती जामुन की लकड़ी

वाराणसी के नाव निमार्ता राजेश कुमार बताते हैं कि जामुन की लकड़ी केवल मजबूत ही नहीं, बल्कि पानी के लिए भी सुरक्षित मानी जाती है। उनके अनुसार, यह लकड़ी पानी में सड़ती नहीं है और इससे पानी की गुणवत्ता पर भी कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। पुराने कारीगरों ने अनुभव और लंबे परीक्षण के बाद नाव निर्माण के लिए इस लकड़ी को सबसे उपयुक्त माना था। उन्होंने बताया कि पूर्वज नदी और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए नाव बनाने की सामग्री का चयन करते थे। उनका मानना था कि ऐसी लकड़ी का उपयोग किया जाए जो नाव को मजबूती दे और जल स्रोत को भी नुकसान न पहुंचाए।

पांच साल या उससे अधिक चलती है नाव

राजेश कुमार के मुताबिक, जामुन की लकड़ी से बनी नाव सामान्य परिस्थितियों में पांच साल या उससे अधिक समय तक चल सकती है। इसके मुकाबले कई अन्य लकड़ियों से बनी नावें जल्दी खराब होने लगती हैं और उनमें कीड़े लगने की समस्या भी आती है। उन्होंने बताया कि जामुन से भी अधिक मजबूत मानी जाने वाली सखुआ जैसी लकड़ियां मौजूद हैं, लेकिन पारंपरिक नाव निर्माण में जामुन की लकड़ी को प्राथमिकता देने के पीछे इसके विशेष गुण हैं। यही कारण है कि आज भी अनुभवी नाविक और कारीगर इसे बेहतर विकल्प मानते हैं।

कम हो रही जामुन की लकड़ी की उपलब्धता

कारीगरों के अनुसार, पहले जामुन की लकड़ी आसानी से उपलब्ध हो जाती थी, लेकिन अब इसकी कमी हो गई है। इसी वजह से वर्तमान समय में नाव के उस हिस्से में जामुन की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है जो लगातार पानी के संपर्क में रहता है। बाकी हिस्सों के निर्माण में शीशम, सखुआ और अन्य मजबूत लकड़ियों का उपयोग किया जाता है। अशोक कुमार ने बताया कि उनके पास जामुन और दूसरी लकड़ियों से बनी नावों का अनुभव है। उनके अनुसार, सामान्य लकड़ी से बनी नाव जहां जल्दी खराब हो गईं, वहीं जामुन की लकड़ी वाली नाव लंबे समय तक सुरक्षित रहीं।

परंपरा और पर्यावरण से जुड़ा है रिश्ता

कारीगरों का कहना है कि पुराने समय में नाव बनाने का काम केवल आजीविका का साधन नहीं था, बल्कि यह नदी और प्रकृति के प्रति सम्मान से भी जुड़ा था। नाविक गंगा को पूजते थे और नदी को स्वच्छ रखने पर विशेष ध्यान देते थे। उनका मानना है कि पारंपरिक ज्ञान में कई ऐसी बातें छिपी हैं, जो आज के समय में भी उपयोगी हैं। जामुन की लकड़ी से नाव बनाने की परंपरा इसका उदाहरण है, जिसमें मजबूती, टिकाऊपन और पर्यावरण संरक्षण तीनों का ध्यान रखा जाता है।

बारिश में लकड़ी के फर्नीचर की ऐसे करें देखभाल

प्लाईवुड और पार्टिकल बोर्ड के फर्नीचर को मानसून में ज्यादा देखभाल की जरूरत

बारिश का मौसम शुरू होते ही लकड़ी की अलमारी ठीक से बंद न हो, दराज चिपकने लगे या सोफे से सीलन की बदबू आने लगे, तो इसे सामान्य न समझें। ये संकेत हो सकते हैं कि लकड़ी के फर्नीचर पर नमी का असर शुरू हो गया है। समय रहते ध्यान न देने पर फर्नीचर की चमक, मजबूती और उम्र तीनों प्रभावित हो सकती हैं। बारिश के मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है और लकड़ी इसे सोख लेती है। इससे फर्नीचर फूलने, मुड़ने या कमजोर होने लग सकता है। नमी के कारण दरारें पड़ने और जॉइंट्स ढीले होने का जोखिम भी बढ़ जाता है। लंबे समय तक नमी रहने पर फंगस और दीमक लगने की आशंका बढ़ सकती है। कई बार पॉलिश उतरने लगती है और लकड़ी की चमक फीकी पड़ जाती है। कमरे में वेंटिलेशन कम होने पर नुकसान का जोखिम और बढ़ जाता है।

अलमारी या दरवाजे का ठीक से बंद न होना, दराज का चिपकना, लकड़ी का फूलना या मुड़ना, सीलन की गंध आना, पॉलिश का खराब होना और सतह पर फंगस के निशान दिखाई देना नमी के संकेत हो सकते हैं।

मानसून से पहले करें तैयारी

मानसून शुरू होने से पहले फर्नीचर की अच्छी तरह सफाई करें। अगर कहीं पॉलिश उखड़ रही हो या दरार दिखाई दे रही हो तो समय रहते उसकी मरम्मत कराएं। जरूरत के अनुसार उपयुक्त पॉलिश या प्रोटेक्टिव कोटिंग कराई जा सकती है। फर्नीचर को दीवार से थोड़ा दूर रखें, ताकि हवा का आवागमन बना रहे। कमरे में पर्याप्त वेंटिलेशन रखें।

पॉलिश और उपयुक्त कोटिंग लकड़ी की सतह पर एक सुरक्षात्मक परत बनाने में मदद करती है, जिससे लकड़ी के सीधे नमी सोखने की संभावना कम हो सकती है। इससे लकड़ी के फूलने, दरार पड़ने और कमजोर होने का जोखिम कम करने में मदद मिलती है। वैक्स कोटिंग लकड़ी की चमक बनाए रखने में भी मदद कर सकती है। हालांकि, कोटिंग का चुनाव फर्नीचर की लकड़ी और उसकी फिनिश के अनुसार करना चाहिए।

फर्नीचर को सुरक्षित रखने के आसान तरीके

- **फर्नीचर को गीली दीवार या फर्श के सीधे संपर्क में न रखें।**
- **कमरे में हवा का पर्याप्त आवागमन बनाए रखें।**
- **फर्नीचर पर पानी या नमी जमा न होने दें।**
- **सीलन वाले हिस्सों की नियमित जांच करें।**
- **बारिश के दिनों में खिड़कियां खोलते समय ध्यान रखें कि पानी फर्नीचर तक न पहुंचे।**
- **सफाई में रखें सावधानी**

लकड़ी के फर्नीचर की सफाई सूखे या हल्के नम माइक्रोफाइबर कपड़े से करें। बहुत ज्यादा गीला कपड़ा इस्तेमाल न करें, क्योंकि लकड़ी अतिरिक्त नमी सोख सकती है। हफ्ते में 2-3 बार डस्टिंग करें। किसी भी हार्श केमिकल या तेज डिटर्जेंट का इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि इससे पॉलिश और फिनिश खराब हो सकती है।

फंगस दिखे तो तुरंत करें सफाई

फंगस दिखाई देने पर उसे नजरअंदाज न करें। प्रभावित हिस्से को साफ और सूखा रखना जरूरी है। फंगस अधिक फैल गया हो या बार-बार लौट रहा हो तो विशेषज्ञ से सलाह लें। सफाई के दौरान कमरे में पर्याप्त वेंटिलेशन रखें और फंगस के सीधे संपर्क से बचें।

दीमक से ऐसे करें बचाव

सीलन और नमी दीमक के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। इसलिए फर्नीचर को साफ और सूखा रखें। इसकी दरारों, कोनों और निचले हिस्से की नियमित जांच करें। फर्नीचर को दीवार और गीली सतह से थोड़ा दूर रखें तथा जमीन के सीधे संपर्क में न आने दें। जरूरत के अनुसार विशेषज्ञ से एंटी-टर्माइट ट्रीटमेंट कराएं।

अगर लकड़ी से बारीक पाउडर गिर रहा हो, छोटे-छोटे छेद दिखाई दें या लकड़ी खोखली आवाज करे, तो इसे दीमक का संकेत मानकर विशेषज्ञ की मदद लें।

तेज धूप से भी बचाएं

हल्की धूप थोड़े समय के लिए फर्नीचर की सतह की नमी कम करने में मदद कर सकती है। हालांकि, लंबे समय तक तेज धूप में रखने से लकड़ी में क्रैक आ सकते हैं, रंग फीका पड़ सकता है और पॉलिश खराब हो सकती है। इसलिए फर्नीचर को लंबे समय तक सीधे तेज धूप में रखने से बचें।

कवर करते समय सावधानी

कवर फर्नीचर को धूल और आकस्मिक नमी से बचाने में मदद कर सकता है, लेकिन कवर का चुनाव सावधानी से करें। प्लास्टिक का कवर लंबे समय तक पूरी तरह ढककर रखने से उसके अंदर नमी फंस सकती है, जिससे फंगस का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए ऐसा कवर इस्तेमाल करें जिसमें हवा का आवागमन बना रहे और फर्नीचर को पूरी तरह सील न करें।

कौन-सी लकड़ी जल्दी प्रभावित होती है?

प्लाईवुड, पार्टिकल बोर्ड और लो-क्वालिटी इंजीनियर्ड वुड में नमी के कारण फूलने या किनारों के खराब होने का जोखिम अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है, खासकर जब उनकी सतह या किनारे ठीक से सील न हों। इसलिए मानसून में इनके किनारों और निचले हिस्सों को सूखा रखना खास तौर पर जरूरी है।

जरूरी बात

मानसून में नमी और सीलन लकड़ी के फर्नीचर को नुकसान पहुंचा सकती है। हालांकि सही मेंटेनेंस, नियमित सफाई, पर्याप्त वेंटिलेशन और समय पर मरम्मत जैसी छोटी-छोटी सावधानियों से फर्नीचर की उम्र बढ़ाने और उसे जल्दी खराब होने से बचाने में मदद मिल सकती है।

www.hettich.com | 1800 209 2096
German quality you can trust
बेहतरीन डिज़ाइन जो ना दिखे।
लेकिन उसका जादू सबको दिखे।
QUADRO V6
कंसील्ड ड्रावर रनर
END OF REALATIONSHIP
Texture to Paint
QR कोड स्कैन करें और
हेटिक स्टार क्लब
एप्प डाउनलोड करें
30 किलो
30 किलो
भार उठाने की क्षमता
250-600 MM की
नॉमिनल लंबाई में उपलब्ध
इंटीग्रेटेड
साइलेंट सिस्टम
इंटीग्रेटेड पुश-टू-ओपन
मैकेनिज़्म
अत्याधुनिक
जर्मन तकनीक
20 Year Functional Warranty*
*Conditions Apply
20 साल की
फंक्शनल वॉरंटी
BUILT TO LEAD
CELEBRATING 25 YEARS OF TRANSFORMING SPACES IN INDIA
Hettich

पॉलिटिक्स में आने का कोई इरादा नहीं

साउथ और बॉलीवुड अभिनेता आर. माधवन इन दिनों अपनी आगामी तमिल फिल्म जीडीएन के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान उन्होंने तमिलनाडु की राजनीति, मुख्यमंत्री थलापति विजय और अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर खुलकर बात की।

एक इंटरव्यू में जब उनसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, बहुत कुछ अच्छा हो रहा है। वहीं, जब उनसे उनके मित्र थलापति विजय के मुख्यमंत्री बनने पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो माधवन ने कहा, इससे भरोसा हुआ कि चीजें इतनी तेजी से बदल सकती हैं। मैं विजय को बहुत अच्छे से जानता हूं, बल्कि अब मुझे उन्हें सीएम विजय कहना चाहिए।

राजनीति में आने की संभावनाओं पर आर. माधवन ने साफ शब्दों में कहा कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे राजनीति में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है। राजनीति में आने के लिए लोगों की सेवा करने का जज्बा होना चाहिए, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मुझमें वह भावना है। मैं अपने तरीके से समाज के लिए अच्छा काम करना चाहता हूं। राजनीति दोधारी तलवार है और मुझे इसकी ज्यादा समझ भी नहीं है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो आर. माधवन जल्द ही निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार की तमिल फिल्म जीडीएन में नजर आएंगे फिल्म में वह प्रसिद्ध इंजीनियर जी.डी. नायडू की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें योगी बाबू, सत्यराज और प्रियमणि भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

कम पैसों में तो उंगली तक नहीं हिलाऊंगी : मल्लिका शेरावत

बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत जल्द ही रियलिटी शो द ट्रेटर्स 2 में बतौर कंटेस्टेंट नजर आएंगी। शो में उनकी एंट्री लगभग तय मानी जा रही है। इसी बीच मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वह इस सीजन की सबसे महंगी कंटेस्टेंट हैं और उन्हें प्रति एपिसोड 7 से 9 लाख रुपये की फीस मिल रही है। अब इन चर्चाओं पर खुद मल्लिका ने प्रतिक्रिया दी है।

एक इंटरव्यू में मल्लिका ने अपनी फीस का खुलासा तो नहीं किया, लेकिन इशारों में इन दावों को सही बताया। उन्होंने कहा, यह अंदाजा सही है। पैसे कमाने के लिए आखिर माफी क्यों मांगना? कई लोग कहते हैं कि पैसा कभी वजह नहीं होता, लेकिन यह सच नहीं है। चाहे महिला हो या पुरुष, सभी के लिए पैसा जरूरी है। लाइफस्टाइल बनाए रखनी होती है और बिल भी भरने पड़ते हैं।

उन्होंने आगे कहा, कम पैसों में तो मैं बेड से उंगली तक नहीं हिलाऊंगी। मेरा युवाओं के लिए यही संदेश है कि अपनी कीमत पहचानो। अगर किसी को आपकी जरूरत होगी तो वह आपकी योग्यता के अनुसार भुगतान करेगा। कभी समझौता मत करो।

बातचीत के दौरान मल्लिका ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें पहले बिग बॉस और खतरों के खिलाड़ी जैसे लोकप्रिय रियलिटी शोज के प्रस्ताव भी मिल चुके हैं, लेकिन उन्होंने उन्हें स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि उन्हें बिग बॉस का फॉर्मेट कभी पसंद नहीं आया, इसलिए उन्होंने उसमें हिस्सा लेने से इनकार कर दिया। मल्लिका का यह बेबाक अंदाज एक बार फिर चर्चा में है। उनकी फीस और बयान दोनों ही सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे हैं।

शादी से पहले मां बनना चाहती हैं आम्रपाली दुबे

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि उनकी पहली प्राथमिकता शादी नहीं, बल्कि मां बनना है। इसके लिए वह एक बेटी को गोद लेना चाहती हैं और शादी का इंतजार नहीं करना चाहतीं। हाल ही में रियलिटी शो भोजपुरी बवाल में अभिनेता दिनेश लाल यादव से बातचीत के दौरान आम्रपाली ने बताया कि बेटी को गोद लेने का उनका फैसला कोई भावनात्मक आवेग नहीं, बल्कि लंबे समय से सोच-समझकर लिया गया निर्णय है। आम्रपाली ने कहा, मैंने इस बारे में बहुत सोचा है और तय किया है कि मैं एक बेटी को गोद लेना चाहती हूं। उनकी यह बात सुनकर निरहुआ भी चौंक गए और उनसे इसकी वजह पूछी। इस पर अभिनेत्री ने बताया कि बचपन से ही उन्हें बच्चों से बेहद लगाव रहा है। जब भी किसी बच्चे को देखती थीं, उसे गोद में लेने और दुलार करने का मन करता था। उन्होंने कहा कि परिवार के छोटे बच्चों की देखभाल करना उन्हें हमेशा अच्छा लगता है। मैं डायपर बदलना भी जानती हूं और बच्चों की देखभाल करना मुझे खुशी देता है, उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। आम्रपाली के अनुसार, शुरूआत में उन्हें लगा था कि यह केवल एक भावनात्मक एहसास है, लेकिन समय के साथ उन्हें महसूस हुआ कि मातृत्व उनकी दिली इच्छा है। उन्होंने कहा, मेरे अंदर जो प्यार और ममता है, उसे मैं एक बच्चे के साथ बांटना चाहती हूं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जीवन में कई बातों पर समझौता किया जा सकता है, लेकिन मां बनने की इच्छा पर नहीं। मुझे एक बच्चा चाहिए और मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार हूं, उन्होंने कहा। आम्रपाली के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके विचारों की खूब चर्चा हो रही है।

माधुरी के लिए छिड़ा था सुरों का महासंग्राम

हिंदी सिनेमा के इतिहास में कुछ गीत ऐसे हैं, जो समय बीतने के बावजूद श्रोताओं के दिलों पर अपनी छाप छोड़ते हैं। ऐसा ही एक सदाबहार गीत है अरे रे अरे..., जो 1997 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म दिल तो पागल है का हिस्सा है। माधुरी दीक्षित और शाहरुख खान पर फिल्माया गया यह गीत आज भी रोमांटिक गानों की सूची में खास स्थान रखता है।

इस गीत की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसे स्वर कोकिला लता मंगेशकर और मशहूर गायिका अल्का यान्गिक ने पहली और आखिरी बार किसी फिल्म के लिए साथ मिलकर गाया। दोनों दिग्गज गायिकाओं की जुगलबंदी ने इस गीत को अमर बना दिया। कहा जाता है कि निर्देशक यश चोपड़ा की पहल पर पहली बार लता मंगेशकर और अलका याग्निक एक ही गीत में साथ आईं। वहीं, संगीतकार उत्तम सिंह की मधुर धुन और गीतकार आनंद बक्शी के भावपूर्ण बोलों ने इस गीत को यादगार बना दिया। करीब तीन दशक बाद भी अरे रे अरे... संगीत प्रेमियों की पसंद बना हुआ है। यह गीत केवल अपनी मधुर धुन के लिए ही नहीं, बल्कि इसलिए भी खास माना जाता है क्योंकि यही वह एकमात्र फिल्मी गीत है, जिसमें लता मंगेशकर और अलका याग्निक ने साथ मिलकर अपनी आवाज दी। अल्का याग्निक कई मौकों पर लता मंगेशकर को अपना प्रेरणास्रोत और गुरु समान बता चुकी हैं।

जंगल में फिर होगा कॉमेडी का दंगल

हॉलीवुड की लोकप्रिय एडवेंचर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी जुमांजी एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। लंबे समय से चर्चा में रही जुमांजी 4ः ओपन वर्ल्ड का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर में एक बार फिर जंगल के बीच रोमांच, कॉमेडी और एक्शन का जबरदस्त तड़का देखने को मिल रहा है। ट्रेलर में ड्वेन जॉनसन अपने तीन साथियों के साथ एक नए और बेहद चुनौतीपूर्ण मिशन पर निकलते दिखाई दे रहे हैं। इस बार जंगल में पहले से कहीं अधिक खतरनाक परिस्थितियां और अनोखी चुनौतियां उनका इंतजार कर रही हैं, जिनका सामना वे अपने खास अंदाज में करते नजर आते हैं। मेकर्स पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि जुमांजीः ओपन वर्ल्ड इस सुपरहिट फ्रेंचाइजी की आखिरी फिल्म होगी। ट्रेलर रिलीज के साथ इस बात की भी पुष्टि हो गई है। फिल्म के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर ट्रेलर साझा करते हुए लिखा गया, एक आखिरी गेम... आखिरी उलटी गिनती शुरू हो गई है। करीब ढाई मिनट के ट्रेलर में दमदार विजुअल्स, रोमांचक एक्शन, हास्य और फैंटेसी का शानदार मिश्रण देखने को मिलता है। ट्रेलर से साफ है कि मेकर्स ने फ्रेंचाइजी के समापन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

सिंगापुर में सजेगा सीफूड एक्सपो, चार महाद्वीपों की भागीदारी

मुंबई। एशिया में समुद्री खाद्य उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच 2 से 4 सितंबर तक सिंगापुर के सैंड्स एक्सपो एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाले सीफूड एक्सपो एशिया/सी फूड प्रोसेसिंग एशिया 2026 में इस बार चार महाद्वीपों से पहली बार प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। आयोजकों के अनुसार, नए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पवेलियनों के साथ बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की भागीदारी इस आयोजन को एशिया के प्रमुख समुद्री खाद्य व्यापार मंच के रूप में स्थापित कर रही है।

इस वर्ष कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया, इटली के कृषि मंत्रालय, दक्षिण कोरिया के जेजू टेक्नोपार्क और फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स सिंगापुर सहित कई नए राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पवेलियन प्रदर्शनी में शामिल होंगे। इसके अलावा इक्वाडोर, चिली, दक्षिण कोरिया, ताइवान, मलेशिया और चीन की कई कंपनियां पहली बार अपने उत्पाद और तकनीकी समाधान प्रदर्शित करेंगी।

प्रदर्शनी में ताजे, जमे हुए, डिब्बाबंद, प्रसंस्करण और मूल्य वर्धित समुद्री खाद्य उत्पादों के अलावा स्मार्ट एक्वाकल्चर, खाद्य सुरक्षा, एक्स-रे निरीक्षण प्रणाली, कोल्ड चेन, पैकेजिंग, स्वचालन तथा समुद्री खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसका उद्देश्य वैश्विक आपूर्तिकताओं को एशिया के आयातकों, खुदरा विक्रेताओं और खाद्य सेवा क्षेत्र के खरीदारों से जोड़ना है। आयोजन के दौरान बिजनेस मैचमेकिंग कार्यक्रम के माध्यम से खरीदारों और आपूर्तिकताओं के बीच पूर्व-निर्धारित व्यावसायिक बैठकें आयोजित की जाएंगी। साथ ही सीफूड एक्सीलेंस एशिया अवार्ड्स में नए और नवोन्मेषी समुद्री खाद्य उत्पादों को सम्मानित किया जाएगा।

प्रदर्शनी के साथ आयोजित सम्मेलन में उद्योग विशेषज्ञ समुद्री खाद्य बाजार के रुझान, आपूर्ति श्रृंखला में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग, स्थिरता प्रमाणन, आरएएस (रिसकुलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम) आधारित मत्स्य पालन और एशिया में प्रसंस्करण उद्योग के बदलते स्वरूप पर चर्चा करेंगे। आगंतुकों के लिए लाइव कुकिंग प्रदर्शन और उत्पाद चखने के सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

आयोजकों का कहना है कि समुद्री खाद्य उद्योग की संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला को एक मंच पर लाने वाला यह आयोजन एशिया में बढ़ते बाजार की जरूरतों को पूरा करने, नए व्यापारिक अवसर पैदा करने और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जायका इंडिया का

चाइनीज स्टाइल स्टफ्ड अप्पे

पनीर और रंग-बिरंगी सब्जियों से भरपूर, नाश्ते में बनाएं कुछ नया

सामग्री अप्पे के लिए: बारीक सूजी- 1 कप, पिसे हुए ओट्स- 1 कप, ताजा दही- 1 कप, पानी- ½ कप, हल्दी पाउडर- ¼ छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, तेल या घी- सेंकने के लिए।

स्टफिंग के लिए: कद्दूकस किया हुआ पनीर- 250 ग्राम, बारीक कटी हरी मिर्च- 2, बारीक कटा प्याज- 1 बड़ा चम्मच, बारीक कटी पत्तागोभी- ¼ कप, कद्दूकस की हुई गाजर- 2, बारीक कटी शिमला मिर्च- 1, टोमेटो सॉस- 1 छोटा चम्मच, चिली सॉस- ½ छोटा चम्मच, चाट मसाला- ¼ छोटी चम्मच, काली मिर्च पाउडर- ¼ छोटा चम्मच, बारीक कटा हरा धनिया- 1 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, तेल- 1 बड़ा चम्मच।

विधि: सबसे पहले एक बाउल में दही, पानी, सूजी, पिसे हुए ओट्स, नमक और हल्दी पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को ढक कर करीब 30 मिनट के लिए रख दें।

अब स्टफिंग तैयार करने के लिए पैन में 1 बड़ा चम्मच तेल गर्म करें। इसमें पत्ता गोभी, गाजर और शिमला मिर्च डालकर 2-3 मिनट तक हल्का भूनें। गैस बंद कर दें। अब इसमें कद्दूकस किया हुआ पनीर, टोमेटो सॉस, चिली सॉस, काली मिर्च पाउडर, चाट मसाला, हरा धनिया और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें। तैयार स्टफिंग की छोटी-छोटी गोलियां बनाकर अलग रख लें। अब सूजी-ओट्स के घोल को अच्छी तरह मिलाएं। अगर घोल ज्यादा गाढ़ा लगे तो थोड़ा पानी मिलाकर इसे अप्पे बनाने लायक रखें।

अब अप्पे पैन के प्रत्येक खाने में थोड़ा तेल या घी लगाएं। हर खाने में आधा छोटा चम्मच सूजी का घोल डालें। इसके ऊपर पनीर की एक बॉल रखें और फिर ऊपर से आधा छोटा चम्मच घोल डालकर स्टफिंग को पूरी तरह ढक दें। अप्पे पैन को ढक कर धीमी आंच पर पकाएं। नीचे की तरफ से सुनहरा होने पर अप्पे को पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और अच्छी तरह पकने तक सेंकें। गरमा गरम चाइनीज स्टाइल स्टफ्ड अप्पे को टोमेटो सॉस या अपनी पसंद की चटनी के साथ परोसें।

सेहत

मानसून में सेहत का कवच बनेगा आयुर्वेदिक काढ़ा

बदलते मौसम में जुकाम-खांसी जैसी परेशानियों से बचाव के लिए खानपान और रोग

मानसून के दौरान तापमान और नमी में बदलाव के कारण कई लोगों को जुकाम, खांसी, बुखार, पेट की परेशानी और त्वचा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में संतुलित खानपान, पर्याप्त नींद और स्वच्छता के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाए रखना जरूरी है। आयुर्वेद में कई जड़ी-बूटियों का पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किया जाता रहा है। इनसे तैयार काढ़ा मौसम के दौरान गर्म पेय के रूप में लिया जा सकता है।

• गिलोय

गिलोय यानी गुडूची का इस्तेमाल आयुर्वेद में लंबे समय से किया जाता रहा है। हालांकि, इसे किसी संक्रमण या बुखार का इलाज मानकर खुद से सेवन नहीं करना चाहिए। इसकी मात्रा और उपयोग व्यक्ति की स्थिति के अनुसार चिकित्सा सलाह से तय करना बेहतर है।

• अश्वगंधा

अश्वगंधा का इस्तेमाल आयुर्वेद में पारंपरिक रूप से किया जाता है। इसमें विभिन्न जैव सक्रिय तत्व पाए जाते हैं और इसके संभावित स्वास्थ्य लाभों पर शोध भी जारी है। इसे नियमित रूप से लेने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित है।

• चिरायता

चिरायता का पारंपरिक रूप से पाचन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में इस्तेमाल किया जाता है। मानसून में पेट से जुड़ी परेशानी होने पर केवल काढ़े पर निर्भर रहने के बजाय पर्याप्त पानी पीना और साफ-सफाई का ध्यान रखना भी जरूरी है।

• मुलेठी

मुलेठी का उपयोग पारंपरिक रूप से गले और श्वसन संबंधी तकलीफों में किया जाता है। हालांकि, इसका अधिक या लंबे समय तक सेवन हर व्यक्ति के लिए उचित नहीं हो सकता। इसलिए नियमित सेवन से पहले चिकित्सीय सलाह लेना बेहतर है।

• सोंठ

सोंठ यानी सूखी अदरक का इस्तेमाल भारतीय रसोई और आयुर्वेद में लंबे समय से होता आया है। इसे गर्म पानी या काढ़े में मिलाकर लिया जाता है। मानसून में यह एक उपयोगी गर्म पेय हो सकता है, लेकिन इसे संक्रमण का इलाज नहीं माना जाना चाहिए।

• मोथा घास

मोथा घास का इस्तेमाल आयुर्वेदिक परंपरा में विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इसके सेवन से पहले इसकी सही पहचान, मात्रा और उपयोग की जानकारी किसी योग्य आयुर्वेद चिकित्सक से लेना जरूरी है।

• आमलकी

आमलकी यानी आंवला विटामिन-सी और अन्य पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत है। इसे आहार में शामिल करना संतुलित खानपान का हिस्सा हो सकता है। आंवले का सेवन ताजा फल या अन्य उपयुक्त रूप में भी किया जा सकता है।

• काढ़ा बनाने का तरीका

जड़ी-बूटियों से काढ़ा तैयार करने की विधि और मात्रा व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य और अन्य दवाओं के सेवन के अनुसार अलग हो सकती है। इसलिए सभी जड़ी-बूटियों को एक साथ निश्चित मात्रा में लेकर रोजाना पीने के बजाय किसी योग्य आयुर्वेद चिकित्सक से उचित संयोजन और मात्रा की सलाह लें। आयुष मंत्रालय भी पारंपरिक औषधियों के इस्तेमाल में संभावित प्रतिकूल प्रभावों की निगरानी और मरीज की सुरक्षा को महत्वपूर्ण मानता है।

• जरूरी सावधानी: काढ़ा जुकाम, बुखार, डेंगू, मलेरिया, संक्रमण या किसी अन्य बीमारी का विकल्प नहीं है। गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों और नियमित दवाएं लेने वालों को किसी भी औषधीय जड़ी-बूटी का सेवन डॉक्टर या योग्य आयुर्वेद चिकित्सक की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। तेज बुखार, लगातार उल्टी-दस्त, सांस लेने में परेशानी या अन्य गंभीर लक्षण होने पर तुरंत चिकित्सकीय मदद लें।

फायदों के साथ जोड़ो
EURO
7000
Wood Adhesive
OFFER STARTS FROM
8TH JUNE 2026
140 पॉइंट्स
में अब डबल रिवॉर्ड्स
Euro 7000 Digital App में 140 पॉइंट्स
रिडीम करके पाएं दोगुने फायदे
नॉइज़ ईयरबड्स
वर्थ ₹2,999
+
स्विस मिलिट्री ब्लूटूथ स्पीकर
वर्थ ₹4,990
आज ही "Euro 7000 Digital"
ऐप डाउनलोड करें
Google Play
App Store
TERMS & CONDITIONS
• इस Offer का लाभ उठाने के लिए "EURO7000 DIGITAL" Application Download करें और Points Scan करें।
• यह ऑफर Limited Time के लिए है।
• कंपनी इस स्कीम को कभी भी बदलने या बंद करने का अधिकार रखती है।
www.euroadhesives.com

1997 में लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में शुरू हुई थी सिंधु दर्शन यात्रा

लद्दाख में सिंधु महाकुंभ : भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का अद्‌भुत संगम

जम्मू । लद्दाख में आयोजित 30वीं सिंधु दर्शन यात्रा के सफल समापन के साथ एक बार फिर सिंधु महाकुंभ ने भारतीय सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान को मजबूत किया है। हिमालय की मनोरम वादियों में आयोजित यह आयोजन आध्यात्मिक आस्था, सांस्कृतिक विविधता और रोमांच का अनूठा संगम बनकर देशभर से श्रद्धालुओं, पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों को आकर्षित कर रहा है।

सिंधु दर्शन यात्रा समिति द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित इस यात्रा की शुरूआत वर्ष 1997 में हुई थी। पहली यात्रा का नेतृत्व तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने किया था, जबकि इसकी परिकल्पना समाजसेवी इंद्रेश कुमार ने की थी। तब से यह यात्रा भारत को अपना नाम देने वाली पवित्र सिंधु नदी के सम्मान में राष्ट्रीय महत्व के आयोजन के रूप में विकसित हुई है।

लेह के निकट स्थित सिंधु घाट पर आयोजित सिंधु महोत्सव में वैदिक अनुष्ठान, प्रार्थना सभाएं, लोक नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों, विद्वानों तथा श्रद्धालुओं के बीच सांस्कृतिक संवाद प्रमुख आकर्षण रहे। हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता के बीच आयोजित यह महोत्सव अब पर्यटन, फोटोग्राफी और आध्यात्मिक यात्रा के शौकीनों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है।

हिमालय परिवार (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में हिमालयी सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण, कैलाश-मानसरोवर यात्रा मार्ग, भोटी भाषा को संवैधानिक मान्यता तथा सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ राष्ट्रीय भावनात्मक संबंधों को सुदृढ़ बनाने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

महाराष्ट्र हिमालय परिवार के प्रदेश अध्यक्ष सुदीप साहा ने कहा कि सिंधु नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता, इतिहास और सांस्कृतिक पहचान की जीवंत धरोहर है। उन्होंने कहा, सिंधु महाकुंभ हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ विविधताओं में एकता का संदेश देता है। 30वीं सिंधु दर्शन यात्रा के इस विशेष अवसर पर अधिक से अधिक लोगों को इस आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महोत्सव का अनुभव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज सिंधु महाकुंभ आस्था, इतिहास, संस्कृति और हिमालयी विरासत का ऐसा राष्ट्रीय उत्सव बन चुका है, जो भारत की सांस्कृतिक एकात्मता और राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

मानसून में मध्य प्रदेश की सैर

भोपाल। रिमझिम बारिश, भीगी मिट्टी की सोंधी महक, बादलों से घिरी पहाड़ियां और हरियाली से लिपटी वादियां— यदि प्रकृति का यह रूप आपको आकर्षित करता है, तो मानसून मध्य प्रदेश घूमने का सबसे उपयुक्त मौसम है। वर्षा ऋतु में प्रदेश के ऐतिहासिक नगर, पहाड़ी पर्यटन स्थल, झरने और प्राकृतिक धरोहरें नए रंग में नजर आते हैं। आइए जानते हैं मध्य प्रदेश के ऐसे पांच प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में, जो मानसून में आपकी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

मांडू: इतिहास और प्रकृति का अद्भुत संगम

मानसून के दौरान मांडू का सौंदर्य अपने चरम पर होता है। चारों ओर फैली हरियाली, बादलों से ढकी पहाड़ियां और ऐतिहासिक धरोहरें इस प्राचीन नगर को एक अलौकिक आभा प्रदान करती हैं। मांडू पहुंचने से पहले काकड़ा खोह जलप्रपात का मनोहारी दृश्य यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर देता है। वहीं जहाज महल, जो कपूर और मुंज तालाब के बीच स्थित है, वर्षा ऋतु में पानी से घिरकर सचमुच तैरते जहाज का आभास कराता है। रानी रूपमती मंडप से दिखाई देने वाली नर्मदा घाटी और बादलों से आच्छादित प्राकृतिक दृश्य इस यात्रा को अविस्मरणीय बना देते हैं।

पचमढ़ी: सतपुड़ा की रानी का मनमोहक रूप

सतपुड़ा की रानी कहलाने वाली पचमढ़ी मानसून में किसी स्वर्ग से कम नहीं लगती। झरने की कल-कल, धुंध से ढके पर्वत और घने जंगल प्रकृति प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां पर्यटक एमपीटी सतपुड़ा रिट्रीट, चंपक बंगला, रॉक एंड मैनर और ग्लेन व्यू जैसे आवासों में ठहरकर प्राकृतिक वातावरण का भरपूर आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा साइकिल से पहाड़ी रास्तों की सैर इस अनुभव को और भी रोमांचक बना देती है।

भोपाल: झीलों के शहर की बरसाती खूबसूरती

झीलों और ऐतिहासिक धरोहरों का शहर भोपाल मानसून में अपनी अलग ही छटा बिखेरता है। सुबह की शुरूआत वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में साइकिलिंग से की जा सकती है। इसके बाद ऊपरी झील के किनारे स्थित विंड एंड वेव्स से बारिश के बीच झील का मनोहारी दृश्य यात्रा का यादगार हिस्सा बन जाता है। भारत भवन की छत से दिखाई देने वाली झील का विहंगम दृश्य और केरवा-कलियासोत क्षेत्र की हरियाली पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करती है। यहां सड़क किनारे मिलने वाला गरमा-गरम भुट्टा मानसून के स्वाद में चार चांद लगा देता है।

मारुति सुजुकी ने लॉन्च की नई ब्रेजा टर्बो बूस्टरजेट

युवाओं को मिलेगा दमदार परफॉर्मेंस और रोमांचक ड्राइविंग का अनुभव

मुंबई। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति सुजुकी) ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी नई ब्रेजा टर्बो बूस्टरजेट को भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। मुंबई के एक पांच सितारा होटल में आयोजित समारोह में कंपनी ने इस नए मॉडल से पर्दा उठाया। कंपनी के अनुसार, नई ब्रेजा टर्बो बूस्टरजेट को युवा ग्राहकों की पसंद, आधुनिक जीवनशैली और बेहतर ड्राइविंग अनुभव को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

लॉन्च के अवसर पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग एंड सेल्स) पार्थो बनर्जी ने कहा कि नई ब्रेजा आज के युवा भारत की आकांक्षाओं और बदलती जीवनशैली का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि टर्बो बूस्टरजेट तकनीक के साथ यह एसयूवी पहले से अधिक दमदार परफॉर्मेंस और रोमांचक ड्राइविंग अनुभव प्रदान करेगी। उनके अनुसार, यह वाहन शहर की रोजमर्रा की ड्राइविंग से लेकर लंबी यात्राओं और एडवेंचर तक हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार किया गया है।

कंपनी के अनुसार, नई ब्रेजा भरोसेमंद K15C डुअल जेट डुअल VVT इंजन और प्रोग्रेसिव स्मार्ट हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के विकल्प के साथ भी उपलब्ध रहेगी। 14 लाख से अधिक ग्राहकों का विश्वास हासिल कर चुकी ब्रेझा में अब 6-स्पीड मैनुअल

ट्रांसमिशन के साथ स्टीयरिंग-माउंटेड पैडल शिफ्टर्स से लैस 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन भी दिया गया है, जिससे ड्राइविंग अधिक स्मूथ, सुविधाजनक और स्पोर्टी अनुभव प्रदान करती है।

नई ब्रेजा टर्बो बूस्टरजेट के लॉन्च के साथ मारुति सुजुकी ने एक बार फिर भारतीय बाजार में आधुनिक तकनीक, दमदार प्रदर्शन और आकर्षक डिजाइन वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

SPECIALLY DESIGNED FOR WOOD WORKING
CUMI
पक्का कटिंग पक्का फिनिशिंग
CUMI TEZZ TCT WOOD CUTTER
3X SHARPER
CHIP FREE CUTTING
Concord
125 MM X 40 T
Available in : 4" & 5" (30T & 40 T)
Connect With Us Today
80351 20000
email@cumi.murugappa.com
Contact: Pawan Mishra
+91 8591157851
For Enquiries,
Visit our Website